नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 2 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950-2025

रविवार, 02 फरवरी, 2025

अच्छी पुस्तकें सशक्त समाज का निर्माण करती हैं -द्रौपदी मुर्मु

"यहाँ भारत की विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों का मेला है। इस मेले में बच्चों के लिए विभिन्न विषयों की पुस्तकें हैं, तो उनके लिए प्रदर्शनियाँ भी बेमिसाल हैं। बच्चों को विविध विषयों की पुस्तकें पढ़नी चाहिए, जिससे उन्हें अपनी क्षमता और योग्यताओं को पहचानने में मदद मिलेगी। जब आप किसी बच्चे की पढ़ने में रुचि पैदा करते हैं, तो आप राष्ट्र-निर्माण में योगदान देते हैं। किताबें पढ़ना सिर्फ शौक नहीं है, बल्कि एक बदलावकारी अनुभव है। अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों की किताबों को पढ़ने से क्षेत्रों और समुदायों के बीच पुल बनते हैं।"

यह सारगर्भित उद्‌बोधन माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का शुभारंभ करते हुए दिया। वेद मंत्रों के सस्वर वातावरण में दीप प्रज्वलन के साथ देश के राष्ट्रगान 'जन गण मन...' के सामूहिक वाचन ने एक अद्‌भुत वातावरण का सृजन किया। इससे पुस्तक मेले की थीम 'हम, भारत के लोग... ' के सजीव एवं सार्थक चित्रांकन ने पुस्तकप्रेमियों को राष्ट्रप्रेम से आपूरित कर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "सबसे पहले रूस के एंबेसडर के हिंदी में बोलने पर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। इस बार के पुस्तक मेले में रूस देश की सहभागिता पर मुझे और भी प्रसन्नता हो रही है। विश्व पुस्तक मेले में रूस को फोकस देश के रूप में देखना सुखद है। साहित्य और संस्कृति के आधार पर भारत और रूस का संबंध सैकड़ों वर्ष पुराना है।"

उद्‌घाटन समारोह में माननीया राष्ट्रपति ने अपनी पसंदीदा ओड़िया भाषा की कविता 'पुस्तक मेरा मित्र' का पाठ करते हुए किताबों की महत्ता को भी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकें युवाओं के चारित्रिक निर्माण में सहायक होती हैं और युवा देश के निर्माण में सहायक होते हैं। पुस्तकें हमारे जीवन का मार्ग प्रशस्त करती हैं और हमें नई दिशा देती हैं, आपस में मेल-जोल बढ़ाती हैं। पुस्तकें पढ़ने की आदत हमें डालनी होगी। अच्छी पुस्तकें सशक्त समाज का निर्माण करती हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत को बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि इस पुस्तक मेले में हम एक-दूसरे की भाषा, संस्कृति एवं साहित्य से परिचित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना भी देश की प्रगति में योगदान है।

इस अवसर पर श्री संजय कुमार, सचिव, उच्चतर शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि इस वर्ष मेले में रूस फोकस देश के रूप में भाग ले रहा है। भारत का रूस के साथ साहित्य से गहरा जुड़ाव रहा है। भारत की पब्लिशिंग व्यवस्था विश्वभर में सबसे बड़ी है और भारत में 4,600 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं। यह बात पुस्तक पठन-संस्कृति के प्रोन्नयन को आश्वस्त करती है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने अपने स्वागत संबोधन में कहा, "आज यह भारत का आधिकारिक मेला एवं विश्व का साहित्यिक मेला बन गया है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1966 से हुई थी, लेकिन वर्ष 1972 से इस पुस्तक मेले को विश्व स्तर का बनाया गया। इस वर्ष के मेले में 'रूस से आईं किताबें' के तहत रूसी भागीदारी अनूठी है। विविध देशों के साहित्य के आदान-प्रदान से वैश्विक सहयोग बढ़ेगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का मानना है

मेला वार्ता
रविवार, 02 फरवरी, 2025
रूस से आईं किताबें

कि बच्चों के लिए स्टोरी टेलिंग, चित्र बनाने, पपेट बनाने आदि से उनमें रचनात्मकता का विकास होगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का 'सभी के लिए पुस्तक' योजना के अंतर्गत दृष्टिहीन बच्चों को पुस्तकें दिए जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया, "सभी को इस पुस्तक मेले से कम-से-कम दो किताबें जरूर ले जानी चाहिए, एक किताब पराविद्या के लिए और दूसरी अपराविद्या के लिए।" इस वर्ष मेले की थीम 'भारत : गणतंत्र @75' के संदर्भ में बोलते हुए उन्होंने कहा, "संविधान हम सभी लिए एक महत्वपूर्ण पुस्तक है, क्योंकि संविधान सबको दिशा निर्देश देता है।" उन्होंने आगे कहा "मैं आह्वान करता हूँ कि इस नौ-दिवसीय मेले में आप सभी पुस्तक मेले में आएँ और पुस्तक वाचन में डूब जाएँ।"

विदित है कि रूस और भारत साहित्यिक रूप से आपस में घनिष्ठ रूप से एकता के सूत्र में बँधे हुए हैं। रूस के उच्चायुक्त दिनीस अलीपफ ने अपने संबोधन की शुरुआत हिंदी में की। इस पर भारत मंडपम् में उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से अपना हर्ष प्रकट किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय साहित्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के पास रामायण और महाभारत जैसी महान साहित्यिक पुस्तकें हैं। उन्होंने भारतीय पाठकों को रूसी साहित्य से परिचित होने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और रूस लव ऑफ स्टोरी से जुड़े हुए हैं। टॉलस्टॉय, दोस्तोवस्की और चेखव के साहित्य ने भारत को बहुत प्रभावित किया है।

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक श्री युवराज मलिक, उच्चतर शिक्षा सचिव श्री विनीत जोशी, रूस के हेड ऑफ डेलिगेशन अलेक्सई वरलामफ एवं अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उद्घाटन समारोह के उपरांत माननीय राष्ट्रपति ने थीम मंडप का उद्घाटन किया। इसके उपरांत, थीम मंडप का अवलोकन भी किया। साथ ही वहाँ पर बने रूस के मंडप में मौजूद प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के उद्घाटन समारोह का सफल एवं सुनियोजित संचालन कवि एवं लेखक अंजुम शर्मा ने किया।

बाल मंडप

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा हॉल संख्या 6 में निर्मित बाल मंडप का राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों को पुस्तकों और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा कथावाचन का सत्र आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत अमृत नागपाल ने बच्चों को गोवा राज्य के बारे में कहानियाँ सुनाईं, जिसमें गोवा के मशहूर सांता क्रूज की कहानी भी शामिल थी। यह कथावाचन सत्र बच्चों में कहानी कहने और सार्वजनिक रूप से बोलने के क्षेत्र में रुचि को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रसिद्ध योग शिक्षक सुबोध शर्मा ने किड्स किंगडम में बच्चों के लिए योग कार्यशाला का भी आयोजन किया। इस कार्यशाला में उन्होंने योग के कई आसन–ताड़ासन, बालासन, वीरभद्रासन, धनुरासन सिखाए। साथ ही, रोजमर्रा के जीवन में योग के सकारात्मक प्रभाव के बारे में भी बताया।

विवेक कुमार ने 'वैदिक गणित के साथ मनोरंजन' कार्यक्रम में बच्चों का वैदिक गणित से साक्षात्कार कराया। उन्होंने गणित के सवालों को हल करने के आसान ट्रिक्स बताए और बच्चों को मंच पर बुलाकर गणित के कुछ प्रश्नों को भी हल कराया।

'अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलें' कार्यक्रम के दौरान बच्चों में पहले से ही उत्साह दिखना शुरू हो गया था। पूरा प्रांगण छोटा भीम, छोटा भीम और लिटिल सिंघम के बाल गीत से गूँज उठा। इस कार्यक्रम में छोटा भीम और लिटिल सिंघम ने अपने डांस का सिग्नेचर स्टेप दिखाया। कार्टून के दोनों चरित्रों ने बच्चों के साथ तस्वीरें भी खिंचाई।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी के सौजन्य से किड्स किंगडम में 'एडवेंचर्स ऑफ राजसोरस : पेंट द किंग ऑफ इंडियन डायनासोर' थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

बाल चित्रकारों के लिए बनाये गए वाल ऑफ म्यूजियम कॉर्नर में बच्चों ने 'गर्ल विद ए पर्ल इयररिंग्स', 'मोनालिसा' और 'स्टारी नाइट्स' आदि पेंटिंग्स में रंग भरे। पाँचवीं कक्षा की सेजल ने बताया कि उसे पेंटिंग बहुत पसंद है और बड़े होकर उसे अपनी बनायी गई कलाओं की प्रदर्शनी लगानी है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देना था।

सुरेंद्र तिवारी और रीता दास द्वारा 'माइंड योर नंबर्स विद क्यू मैथ्स' थीम पर गणित की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ऐसी सामान्य समस्याओं पर जोर दिया गया, जिसमें बच्चों को दिक्कत आती है। इसमें गणित की समस्याओं को व्यावहारिकता से जोड़कर हल करने की कोशिश की गई। साथ ही उँगली पर पहाड़ा गिनने की ट्रिक बतायी गई। बताया गया कि इससे बच्चे उदाहरण के

तौर पर पाँच, नौ और इकतीस के पहाड़े को भी आसानी से याद कर सकते हैं। यह कार्यशाला बहुत ही मजेदार और ज्ञानवर्धक रही। बच्चों ने गणित के मुश्किल सवालों को आसानी से हल करना सीखा। उन्हें यह भी पता चला कि गणित सिर्फ किताबों में ही नहीं, बल्कि हमारे आस-पास की चीजों में भी छुपा है। जैसे कि अगर हम दुकान पर जाते हैं तो सामान का दाम और कुल कितने पैसे देने हैं, यह सब गणित से ही पता चलता है। इस कार्यशाला से बच्चों का गणित के प्रति डर कम हुआ और उन्हें यह विषय रोचक लगने लगा।

स्कॉलास्टिक प्रकाशन ने 'बच्चों की लेखकों से मुलाकात' कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें बच्चे अपने मनपसंद लेखकों जैसे कॉस्ट्यूम पहनकर आए। बच्चों ने अपने पसंदीदा लेखकों से मिलकर प्रसन्नता जाहिर की। कुछ बच्चों ने तो सबका मन मोह लिया। एक बच्चा रस्किन बॉन्ड बनकर आया था, एक और बच्चा ऑर्थर कानन डायल बना था (कानन डायल ने ही शेरलॉक होम्स की कहानियाँ लिखी हैं)। कुछ और बच्चों ने सुधा मूर्ति और सत्यजीत रे जैसे लेखकों का रूप धारण किया। ये सारे बच्चे बाल भारतीय पब्लिक स्कूल, नोएडा से आए थे।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में 'बेन 10', 'छोटा भीम', 'जय जगन्नाथ', 'टीन टाइटंस गो', 'टॉम एंड जैरी' और 'लिटिल सिंघम' आदि एनीमेटेड फिल्मों को दिखाया गया।

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

रूसी संगीत ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध : विश्व पुस्तक मेला 2025 के प्रथम दिन लेखिका अन्ना एस्पारसा की फिल्म 'सर्गेई राखमानिनोव-रशियन कंपोजर ऑफ वर्ल्ड म्यूजिक' की स्क्रीनिंग की गई। म्यूजिकल युगल 'लाडी' के संगीत ने खूब तालियाँ बटोरीं। इस अवसर पर बालालाइका वाद्ययंत्र के साथ कलाकारों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

पढ़ाई ही लेखक बनने का मूल मंत्र : नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के कार्यक्रम 'नई दिल्ली के साथ सऊदी उपन्यास पर प्रतिच्छेदन' में बातचीत के दौरान लेखिका अबीर अल-अली ने बताया कि बदलाव और विकास का साहित्य पर गहरा प्रभाव है और किसी भी उपन्यास की उपज उसके आस-पास के वातावरण से होती है। उन्होंने कहा कि पठन ही लेखक बनने का मूल मंत्र है। हमें विश्व के तमाम लेखकों को पढ़ना चाहिए, साथ ही उपन्यास में मौलिकता होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाठक ही किसी भी उपन्यास का जाँचकर्ता हो सकता है। उन्होंने बताया कि सऊदी सरकार साहित्य को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास कर रही है।

रूस से आईं पुस्तकों का आकर्षण : नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के पहले दिन हॉल संख्या 4 में रूस से आईं पुस्तकों ने पाठकों का खासा ध्यान आकर्षित किया। इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर में रूसी साहित्य, लेखक और अनुवादकों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। पहले दिन के दूसरे सत्र में प्रसिद्ध रूसी लेखक ऐवेग्नी वोदोलाजकिन और उनकी पुस्तक लाव्र की अनुवादक प्रो. रंजना सक्सेना के बीच संवाद हुआ। इस अवसर पर लेखक की एक और चर्चित पुस्तक 'तमाल' (अनुवाद : रचना सक्सेना) पर भी चर्चा हुई। पुस्तक 'तमाल' के बारे में बात करते हुए ऐवेग्नी वोदोलाजकिन ने कहा, "यह उपन्यास एक शाश्वत रचना है, जो हमेशा बनी रहेगी।" उन्होंने पाठकों को संदेश देते हुए कहा, "कभी हार नहीं माननी चाहिए, मृत्यु में भी आशा के साथ जीना चाहिए।" संवाद के दौरान अनुवादक रंजना सक्सेना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "यह पुस्तक मुझे सुकून देती है और इसमें किसी भी जख्म को भरने की शक्ति है। यह उपन्यास लोगों के लिए एक वैद्य की तरह काम करता है, जो सुंदर, करुणामय और मानवता से भरा हुआ है।" कार्यक्रम के दौरान उपन्यास का कुछ अंश पढ़ा गया, साथ ही उपस्थित पाठकों को अनूदित पुस्तक के अंश स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किए गए।

'केओस टू क्राफ्ट' कार्यक्रम की शुरुआत एक विचारशील चर्चा के साथ हुई। इस सत्र में कैथरीन चिजी, अनुराधा रॉय और महामहिम मैथ्यू एयर्स ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। संवाद के दौरान मैथ्यू एयर्स से बातचीत में कैथरीन चिजी ने अपनी लेखन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्हें अकेले कागज के साथ समय बिताना पसंद है और वे केवल उन्हीं विषयों पर लिखती हैं, जो उन्हें गहराई से प्रभावित करते हैं। इस पर अनुराधा रॉय ने अपनी पहली पुस्तक की प्रेरणा के बारे में बताया कि उन्हें यह विचार उनके द्वारा लिखे गए 'टी बैग' के एक विज्ञापन से आया था। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी जिंदगी का एक हिस्सा ऐसा होता है, जो बेहद अनछुआ और गोपनीय रहता है। संवाद के दौरान दोनों लेखिकाओं ने अपनी आगामी पुस्तकों की जानकारी भी साझा की। अनुराधा रॉय ने बताया कि उनकी अगली पुस्तक एक कथेतर उपन्यास होगी, जो उनके निवास स्थान रानीखेत पर आधारित है। वहीं, कैथरीन विजी ने अपनी मई में प्रकाशित होने वाली पुस्तक 'बुक ऑफ गिल्ट' के बारे में बताया, जो ब्रिटेन में सन् 1979 में जन्मे तीन जुड़वाँ भाइयों की कहानी पर आधारित है। इस चर्चा ने साहित्य प्रेमियों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी और पुस्तक मेले के पहले दिन को सार्थक बना दिया।

साहित्यिक गतिविधियाँ

द ग्रेट इंडियन बुक टूर द्वारा 'मैजिक ऑफ राइटिंग, रीडिंग एंड कंपेलिंग नॉन फिक्शन बुक' का आयोजन किया गया, जिसका जिय्याद शाहुल ने संचालन किया। इस कार्यक्रम में लेखिका नंदिता कौशिक ने कहा कि मानवीय मूल्य नॉन फिक्शन बुक्स के लिए जरूरी हैं। 'योर इंट्यूशन इज व्हेयर योर क्रिएटिविटी कम्स फ्रॉम एआई' पर बात करते हुए एल वेंकट सुब्रमण्यम ने कहा कि एआई लेखन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। अभिषेक अनेजा और कोमल गुप्ता ने नॉन फिक्शन बुक्स के लेखन के तरीकों पर बात की।

माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस ने 'द रोल ऑफ इमेजिनेशन ब्लेंडिंग रियलिटीज एंड पॉसिबिलिटीज इन स्टोरीटेलिंग' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें आद्या अग्रवाल ने कहा कि इमेजिनेशन स्टोरीटेलिंग का आधारभूत तत्व होता है। उन्होंने 'हैरी पॉटर' का उदाहरण देते हुए इस विषय को अत्यंत सरलता से समझाया। लेखक हरीश खत्री ने स्टोरीटेलिंग के विविध आयामों पर चर्चा की। इस सत्र में लेखक देव साहनी की किताब 'द आईलैंड ऑफ डूप, डिफाई एंड डिसिट' का लोकार्पण भी किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन चांदनी माथुर ने किया।

ऑथर्स इंक पब्लिकेशन द्वारा 'द फ्यूचर ऑफ स्टोरीटेलिंग' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टोरीटेलिंग में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर चर्चा करते हुए लेखक दीपक शर्मा ने कहा कि एआई के समुचित उपयोग से स्टोरीटेलिंग नए आयाम पर जा सकती हैं। लेखक गीतिका मेहरा ने कहा कि एआई द्वारा किया गया अनुवाद निम्न स्तर का होता है। लेखक अर्पित मिश्रा ने स्टोरीटेलिंग में भावनाओं की महत्ता को आवश्यक बताया। लेखिका वंदना कुमार ने कहा कि स्टोरीटेलिंग में रचनात्मकता की जगह एआई कभी नहीं ले सकता है। नगमा द्वारा इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

श्रीप्रकाश नंदादुर श्रीधरन की पुस्तक 'बिल्डिंग ब्लॉक्स' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अनुराग अरोड़ा (चेयरमैन एंड एडिटर इन चीफ, बिजनेस वर्ल्ड मीडिया), राहुल भल्ला और पृथ्वी शेरगिल मौजूद थे। श्रीप्रकाश नंदादुर श्रीधरन ने कहा कि यह पुस्तक उनकी जीवन की शिक्षाओं को बताती है। डॉ. अरोड़ा ने युवाओं को कहा कि अपने सपनों को पूरा करने की जल्दी में अपने मानसिक स्वास्थ्य से समझौता न करें।

मोतीलाल बनारसीदास ने प्रियजीत देवसरकार की पुस्तक 'बंगबंधु बांग्लादेश एंड ब्रिटेन' का लोकार्पण और चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में दीपांजन रॉय चौधरी, शुभज्योति घोष और नितिन सिंघल मौजूद थे। प्रियजीत देवसरकार ने कहा कि इस पुस्तक को लिखते समय उन्हें शेख मुजीब के बारे में काफी रोचक जानकारियाँ मिलीं। शुभज्योति घोष ने कहा कि शेख मुजीब एक प्रशासक से ज्यादा एक महान क्रांतिकारी के रूप में याद किये जाएँगे।

क्यूरेटेड बुक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निवेदिता सेनगुप्ता की पुस्तक 'जर्नी ऑफ फैमिली ऑफ अ स्पेशल चाइल्ड' पर चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कैरोल पॉल और सोना अग्रवाल मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में स्पेशल चाइल्ड फैमिली पर चर्चा की गई।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा पद्मश्री रामदरश मिश्र पर केंद्रित 'भाषा' पत्रिका का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुरेन्द्र दुबे ने कहा कि हिंदी साहित्य में कौशल विकास की कुंजी छुपी हुई है। इस दौरान एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि पद्मश्री मिलने से रामदरश जी का सम्मान नहीं बढ़ा, बल्कि इससे पद्मश्री गौरवान्वित हुआ। रामदरश मिश्र जी ने भी अपनी गजल के कुछ मुखड़ों को सुनाकर लोगों का मन मोह लिया।

'बनाया है मैंने ये घर धीरे-धीरे,
खुले मेरे ख्वाबों के पर धीरे-धीरे
किसी को गिराया न खुद को उछाला,
कटा जिंदगी का सफर धीरे-धीरे।

द ग्रेट इंडियन बुक टूर द्वारा 'नवरंग विविध भावनाएँ : कविताओं के संग' पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 'लय, छंद, तुकबंदी, मीटर का कविताओं की रचना में योगदान' विषय पर चर्चा की गई। इसके साथ ही, कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया। मंच संचालन कर रहे शंकर सहाय ने कहा कि कविता लिखने के लिए विचार जरूरी हैं। लय और छंद उसके बाद की चीज है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'चंदौसी जंक्शन' पर चर्चा की और उसकी कविताओं के कुछ अंश भी पढ़े।

संत निरंकारी प्रकाशन द्वारा लेखक 'जे.आर.डी. सत्यार्थी' की पुस्तक 'पूर्णत्व की ओर' का लोकार्पण किया गया तथा ईश्वर, वेद और उपनिषद जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के वक्ता डॉ. राकेश मुतरेजा ने निरंकारी मिशन का इतिहास बताया। उन्होंने कहा कि एक ही तत्व है, जो पूर्ण है, यह वही तत्व है, जिससे हम सब आते हैं। वह तत्व ईश्वर है। इस तत्व को समझने के लिए एक गुरु जरूरी है। इसलिए एक को जानो, एक को मानो। कुछ दर्शकों को भी पूर्णत्व के बारे में उनके अनुभवों को साझा करने लिए मंच पर बुलाया गया। एक दर्शक ने कुछ कहानियाँ भी सुनाईं। प्राध्यापिका ज्ञान मुनि सक्सेना ने लोगों को पूर्णत्व पर विचार करने का आग्रह किया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा प्रकाशित कृतियों पर परिचर्चा एवं विमर्श का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'बौद्ध धर्म और ईसाई धर्म में मोनिज्म के घटनाक्रम पर अध्ययन' (प्रो. जी.सी. त्रिपाठी), '75 ईयर्स ऑफ इंडियन इकॉनामी एंड पॉलिटी

एंड वे फॉरवर्ड इन अमृत काल' (सम्पादक : डॉ. प्रियेश सी. ए) 'नॉलेज एंड सब्जेक्ट : सिचुएटिंग आयुर्वेद थ्रू लाइफ नैरेटिव्स ऑफ प्रैक्टिशनर' (डॉ. गिरिजा के. पी.), 'सिग्नीफिकेंस ऑफ ऑप्टिमेलिटी थ्योरी' (डॉ. ललिता राजा) और '19 वीं सदी के गुजराती और हिंदी साहित्य में भारतीय चेतना' (प्रो. आलोक कुमार गुप्त)—पाँच पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। 'अंडरस्टैंडिंग पंजाब' और 'जीवन का तट : उत्तर भारत की नदियाँ एवं निषाद जीवन' शीर्षक दो किताबों पर चर्चा भी की गई। ये दोनों ही पुस्तकें भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति को समझने में सहायता करती हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

आकाश डोगरा एंड ग्रुप द्वारा डोगरी लोक नृत्य की प्रस्तुति

आंद्रेयी मैट्वीव द्वारा रशियन फोक एनसेम्बल ट्रेडिशनल इंस्ट्रूमेंट्स के अंतर्गत यूनिक कांबिनेशन ऑफ बैलालिकास नामक इंस्ट्रूमेंट्स पर मधुर एवं कर्णप्रिय प्रस्तुति दी गई।

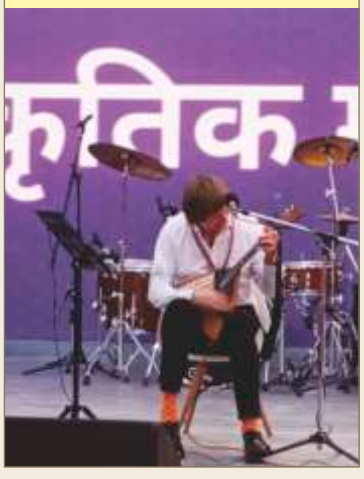

रविवार, दिनांक 02 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
11:00-11:50	'बिल्डिंग कल्चरल ब्रिजेज थ्रू पोएट्री ट्रांसलेशन'; *प्रस्तुति* : डॉ. शिहाब गनेम	यूएई
12:00-12:50	'दि वर्ल्ड ऑफ आर्ट्स' *प्रस्तुति* : हाइफा अल-हमदन; अहमद अल-रिदीनी (*संचालन*)	लिटरेचर पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमिशन, सऊदी अरब
01:00-01:50	'मैजिकल रिअलिज्म एंड फैंटेसी ऐज दि मेन जेनर्स ऑफ मॉडर्निटी' विषय पर डेनिस लुक्यानोव का व्याख्यान	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रसिया
02:00-02:50	पोएट्री रीडिंग एंड बुक लॉन्च : साइलेंट वॉयस एंड अल्केमी ऑफ नाइन स्माइल्स फॉलोड बाई मल्टिलिंग्वल पोएट्री रीडिंग *पैनेलिस्ट* : श्रीजन भंडारी, युयुत्सु शर्मा (*संचालन*)	ह्वाइट लोटस बुक शॉप, नेपाल
04:00-04:50	स्किल्ड वर्कर माइग्रेशन एंड लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी—पाथवेज टू जर्मनी : ए डिस्कशन *पैनेलिस्ट* : थॉस्टेन कीफर, डॉ. विभा सुराना, ब्रूनो कार्लेसो; रेणुका पाँचपोर (*संचालन*)	टीईएलसी जीजीएमबीएच, बैड हॉमबर्ग, जर्मनी
05:00-05:50	एच.ई. मिकेविसिएनी इन कन्वर्सेशन विद जारोस्लावस मेलिंकस एंड ओलेक्सांद्र पॉलिशचुक	एंबेसी ऑफ दि रिपब्लिक ऑफ लिथुआनिया
06:00-06:50	अहमत टी कुरु की पुस्तक का लोकार्पण एवं इस्लाम पर चर्चा; वक्ता : मॉबशर जावेद, हफीजुर रहमान (*संचालन*)	खुसरो फाउंडेशन
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	'ग्लोबल कल्चर चेंजेज एंड दि कॉन्स्टिट्यूशन' पर चर्चा; *वक्ता* : वैशाली करमरकर, विभावरी बिदवे, अमेय देशपांडे (*संचालन*)	रा.पु. न्यास
12:00-12:45	लिंग्विस्टिक डिस्कशन इन दि कॉन्स्टिट्यूशन असेम्बली; *वक्ता* : डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. आनंद कटिकर, डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी, प्रो. चंद्रशेखरन	रा.पु. न्यास
02:00-02:45	रील नैरेटिव-रियल चेंज; *वक्ता* : श्री प्रकाश झा, सुश्री रुबिका लियाकत	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
03:00-03:45	डेयर टू ड्रीम, डेयर टू विन : इनसाइट्स विद श्री शिव खेड़ा	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
04:00-04:45	गणतंत्र का भूतकाल, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा; *वक्ता* : प्रो दीपांकर सिन्हा, प्रो शौविक मुखोपाध्याय, प्रो काबेरी चक्रवर्ती, प्रो हितेंद्र पटेल, प्रो शौविक मुखोपाध्याय (*संचालन*)	रा.पु. न्यास
05:00-05:45	रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो और विश्व के साथ भारत की सांस्कृतिक कूटनीति; *वक्ता* : प्रो. किंगशुक चटर्जी, प्रो. संदीपन सेन, प्रो. गौतम घोषाल, प्रो. हितेंद्र पटेल (*संचालन*)	रा.पु. न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:30-11:15	संगीतमय कथावाचन सत्र	वसुधा आहूजा और कुणाल
11:30-12:00	कैरिकेचर कार्यशाला	करण सिंह
12:15-12:30	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	छोटा भीम और लिटिल सिंघम
12:30-01:00	मुस्कान फैलाएँ : पोगो और लिटिल सिंघम के साथ अपने वास्तविक जीवन के हीरो को धन्यवाद देकर दयालुता के हीरो बनें	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
01:00-01:45	क्ले मॉडलिंग कार्यशाला	हिमांशु
02:00-02:45	बच्चों की नजर से रूस-भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता	ओल्गा लेव्चेंको और अनास्तासिया स्त्रोकिना
03:00-03:45	चिल्ड्रन ऑथर्स मीट	स्कॉलास्टिक
4:00-04:30	भरतनाट्यम प्रस्तुति	वंडर रूम लाइब्रेरी
04:45-06:15	बाल फिल्मों का प्रसारण	एनसीसीएल

रविवार, दिनांक 02 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
11:00-11:45	टेम्पल टू टनल, भूली-बिसरी धरोहर, मुकम्मल इश्क की अधूरी कहानी; वक्ता : दिनेश कुशवाहा, सैवी सिंह, शिवानी चतुर्वेदी	इंक पब्लिकेशन
12:00-12:45	मुझको जला गया वो सूरज, अंतर्मन की पीड़ा, कारवाला भूत, शून्य से शिखर, बहादुर कूकू पुस्तक लोकार्पण व चर्चा *वक्ता* : पं. अनित्य नारायण मिश्र, शिब्बू गाजीपुरी, डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, आनन्द अमित, वेद प्रकाश प्रजापति	हिंदी श्री पब्लिकेशन
01:00-01:45	'जस्ट राइट' लेखक भुवन रिभु की पुस्तक पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
02:00-02:45	'संताली भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का विकास : संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने के उपरांत' विषय पर चर्चा *वक्ता* : सरोजिनी बेसरा, प्रेम सरेन, यशोदा मुर्मु	रा.पु. न्यास
03:00-03:45	'यादों के झरोखे से' (सीरीज़) 11 पुस्तकों का लोकार्पण; *वक्ता* : प्रेम जनमेजय, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, बलराम, ममता किरण, शालिनी अगम, अर्चना उपाध्याय, अशोक मिश्र, डॉ. हरविंदर मांकड, संदीप तोमर, राजेश कुमार एवं वंदना यादव	अद्रिक पब्लिकेशन प्रा.लि.
04:00-04:45	'पुरस्कृत कहानियाँ (भाग-2) का विमोचन एवं चर्चा *वक्ता* : मृदुला गर्ग, संजय सहाय, रामेश्वर राय, अनिल यादव, अनुपम सिंह, श्रीमती रचना यादव	अक्षर प्रकाशन हंस पत्रिका
05:00-05:45	लेखकों से भेंट; *वक्ता* : चंदन पांडेय, इरशाद खान एवं सिकंदर	राजपाल एंड संस
06:00-06:45	'करियर डेवलेपमेंट फॉर यूथ एंड स्टार्टअप इन इंडिया' पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा *वक्ता* : दिनेश वर्मा, प्रभात अग्रवाल, राकेश, बी. कुलवल	गुल्लीबाबा पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि.
07:00-07:45	चिल्ड्रन लिटरेचर एंड इंडियन स्टोरी; *वक्ता* : शैलजा मेनन, तुतुल बिस्वास	एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	'बियॉन्ड बॉडर्स-2' पुस्तक का लोकार्पण; *वक्ता* : कर्नल राजीव भरवान, अभिनव नवीन, डॉ. कोमल मलिक	बुकलवर पब्लिशिंग हाउस (OPC) प्रा.लि.
12:00-12:45	रिदम एंड रिफ्लेक्शन्स : ए जर्नी थ्रू पोएट्री; *वक्ता* : मैत्रीदेवी सिसोदिया, डॉ. सोनिका सेठी, समृद्धि मंडावत, डॉ. रितु कामरा कुमार, जिगांशु शर्मा (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर FoF
01:00-01:45	सशक्तीकरण के लेंस के माध्यम से लेखन : कहानियाँ, जो परिवर्तन को प्रेरित करती हैं; *वक्ता* : देविका दास, श्वेता रानी, प्रियंका शर्मा, कैंतुरा, डॉ. प्रगति सुरेका, अनुज गुगलानी, काजल कपूर (*संचालन*)	माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस FoF
02:00-02:45	थ्रिलिंग थ्रू टाइम—डाइलेमा एण्ड इंडियाज जर्नी @75; *वक्ता* : चेतना कीर, नीतीश भूषण, निलुत्पल गोहेन, रणवीर सिंह, काजल कपूर (*संचालन*)	माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस FoF
03:00-03:45	ए.आई. और मानव रचनात्मकता के चौराहे को नेविगेट करना : सशक्तीकरण या प्रतिस्थापन?; *वक्ता* : नेहा शर्मा, जिगांशु शर्मा, अरिजीत गून, डॉ. हर्षाली सिंह, कर्नल आशीष रायसिंघानी (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर FoF
04:00-04:45	'अयोध्या टू अयोध्या' पुस्तक पर चर्चा; *वक्ता* : लेफ्टि. कमां. नीरज वशिष्ठ, डॉ राहुल मिश्रा, श्रीमती कंकना लोहिया (*संचालन*)	रा.पु. न्यास
05:00-05:45	अनीश पी. राजन द्वारा पुस्तक विमोचन; *अतिथि* : डॉ. सुधा गोपालकृष्णन; डॉ. विद्यालक्ष्मी द्वारा सखितात्वम नृत्य प्रदर्शन	बी.आर. प्रकाशन निगम
07:00-07:45	'डिजिटल दुनिया में मौजूद छिपे हुए खतरे' पर चर्चा; श्री पवन दुग्गल और श्रीमती कंकना लोहिया	रा.पु. न्यास
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
05:00-06:00	भारतीय छात्रों के लिए रशियन डांस कंपीटीशन	रूस
06:00 बजे से	दिगवी एवं अंकित लाइव	रा.पु. न्यास

मेला वार्ता
रविवार, 02 फरवरी, 2025

INDIA RUSSIA
रूस से आई किताबें

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 11 से सायं 8 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2

लेखक मंच

हॉल संख्या 2 और 3

हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक

हॉल संख्या 3 (मेजानिन)

नई दिल्ली राइट्स टेबल

हॉल संख्या 4

विदेशी मंडप	
ऑथर्स लाउंज	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर
विदेशी भागीदार (प्रदर्शनी)	डिजिटल अनुभव क्षेत्र

हॉल संख्या 5

थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)	सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)
ऑथर्स कॉर्नर	

हॉल संख्या 6

बाल मंडप	बाल प्रकाशक
टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स	डिजिटल अनुभव क्षेत्र

दर्शन और अध्यात्म, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

एंफीथिएटर 1

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास) : निःशुल्क शटल सेवा उपलब्ध

गेट नं 4 (भैरो मार्ग), गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है।
इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (स्कूल यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. **रेड लाइन :** रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम।
2. **ब्ल्यू लाइन :** कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका।
3. **येलो लाइन :** विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक।
4. **वॉयलेट लाइन :** आईटीओ।
5. **ग्रीन लाइन :** मुंडका।
6. **पिंक लाइन :** आईएनए।
7. **मैजेंटा लाइन :** हौजखास।

भाषावार प्रकाशक						
1. हिंदी : **153**	2. उर्दू : **20**	3. संस्कृत : **4**	4. मलयालम : **2**	5. पंजाबी : **6**	6. तमिल : **1**	
7. बांग्ला : **3**	8. अंग्रेजी : **337**	9. सिंधी : **2**	10. मैथिली : **2**	11. ओड़िया : **4**		

हमसे यहाँ भी जुड़ें

- https://twitter.com/nbt_india
- https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/
- LinkedIn https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
- YouTube https://www.youtube.com/user/NBTIndia
- https://www.instagram.com/nbtindia/
- https://www.kooapp.com/profile/nbtindia

अधिक जानकारी के लिए **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री मेला वार्ता के हॉल संख्या 6 के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

nbt.india

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।